

पहली मोहब्बत एक नशा एक जूनून-2

“कहानी का पिछला भाग : पहली मोहब्बत एक नशा एक जूनून-1 अन्तर्वसिना के सभी पाठको को आशिक राहुल का नमस्कार ! दोस्तो, आज मैं अपनी आगे की कहानी बताने जा रहा... [\[Continue Reading\]](#) ...”

Story By: (ashiqrahul)

Posted: Tuesday, February 10th, 2015

Categories: [पहली बार चुदाई](#)

Online version: [पहली मोहब्बत एक नशा एक जूनून-2](#)

पहली मोहब्बत एक नशा एक जूनून-2

कहानी का पिछला भाग : [पहली मोहब्बत एक नशा एक जूनून-1](#)

अन्तर्वासना के सभी पाठको को आशिक राहुल का नमस्कार !

दोस्तो, आज मैं अपनी आगे की कहानी बताने जा रहा हूँ।

तो जैसा कि आप सबने पढ़ा था कि किस तरह मुझे पहली मोहब्बत हुई और कैटीन तक की दास्ताँ आप पढ़ चुके हैं।

कब आगे की कहानी पढ़िए...

तो दोस्तों उस दिन कैटीन में एक दूसरे का स्पर्श पाकर हम दोनों के दिल और जिस्म दोनों में आग लग चुकी थी।

घर जाकर हमने फोन पर बहुत सारी बातें की, एक दूसरे के दिल का हाल जाना, उस वक़्त की फीलिंग्स को शेयर किया।

और रात में हमने फ़ोन सेक्स किया।

उस रात तीन बजे तक हम दोनों फ़ोन पर एक दूजे को प्यार करते रहे।

अगले दिन सुबह फिर कॉलेज में मिले।

अब चूमाचाटी करने का यह सिलसिला रोज होने लगा था दोस्तों।

और अब हम दोनों पूरी तरह से एक दूजे में समाना चाहते थे।

किन्तु सही जगह का इंतजाम नहीं हो पा रहा था।

जल्द कुछ दिनों के बाद वो मौका मिल ही गया जब हम दोनों पूरी तरह एक दूजे को प्यार करने में सफल हो सके।

हुआ यूँ कि वो उचित जगह मेरे घर पर ही मिली हमें।

एक दिन मेरी मम्मी-पापा और भाई बहन सभी को किसी शादी में जाना था किन्तु मैं अपनी तबियत सही न होने का बहाना बनाकर घर पर ही रुक गया।

थोड़ी देर में प्लान के मुताबिक नेहा भी मेरे घर पर आ गई।

दोस्तो, मैं नेहा के फिगर बारे में तो आपको बताना भूल ही गया।

नेहा का कद 5'6", 30, 28, 32 के फिगर वाली एकदम गोरा चेहरा जिसमें गुलाबी गड्डे बनते थे दोस्तों।

स्वर्ग से एक अप्सरा की भांति वो मेरे घर में उस दिन आई।

उसे देखकर तो मैं बस उसमें खो जाना चाहता था।

मैंने जल्दी से दरवाजा बंद किया और उसे वही पर किस करने लगा।

किस करते करते ही मैं उसे अपने कमरे में लेकर आया।

हम दोनों खड़े खड़े ही एक दूजे से कसकर लिपटे हुए किस कर रहे थे।

करीब 10 मिनट तक हम यूँ ही किस करते रहे।

फिर मैंने उसे अपने बिस्तर पर बैठाया, उसने थोड़ा पानी पिया और एक बार फिर हमने किस करना शुरू किया।

अब मेरे हाथ उसके उरोजों को भी दबा रहे थे।

मैं जोर जोर से उसकी चूचियों को भींच देता था, जिससे वो मेरे होंठों को कसकर दबा लेती थी।

एक बार तो उसने मेरे होंठों को काट भी लिया।

इधर मेरे लण्ड का बुरा हाल हो रहा था।

पिछली बार कैटीन की अधूरी प्यास की आग लग रही थी मेरे लंड में।

अब मैंने नेहा का कमीज उतारना चाहा तो नेहा ने अपने दोनों हाथ ऊपर उठा दिए।
मैंने नेहा का कमीज उतार दिया।

गुलाबी फूलों वाली सफ़ेद रंग की ब्रा में नेहा पूरी कयामत लग रही थी।



मैंने तुरंत उसकी ब्रा भी उतार दी ।

जिंदगी में पहली बार किसी लड़की को इस तरह खुद के सामने बिना ऊपर कुछ पहने देखा था ।

मैं तुरंत उसके गोर गारे 30 आकार के चूचों पर टूट पड़ा ।

मैंने उसके एक दूध को मुँह में लेकर चूसना शुरू किया और दूसरे को अपने हाथ से सहलाने लगा ।

फिर कुछ पल के बाद दूसरे दूध को चूसा और पहले वाला दबाया ।

अब मैंने उसके पेट को चूमना-चाटना शुरू किया और चूमते चूमते उसकी सलवार तक आ गया ।

फिर मैंने उसकी सलवार खोल कर निकाल दी ।

अब वो शरमा रही थी ।

मैं भी सब कुछ पहली बार कर रहा था तो अजीब सा कुछ हो रहा था दिल में ।

फिर भी मैं बस सब कुछ करना चाहता था तो मैंने उसकी नीली पैंटी भी उतार दी ।

अब उसने शरमाकर अपने दोनों हाथों से अपनी प्यारी सी चूत को छिपाने की कोशिश की ।

मैं उसके पैरों से चुम्बन करता हुआ ऊपर जा रहा था, उसकी मखमली जांघो को सहलाते हुए मैं आखिरकार उसकी चूत तक पहुँच ही गया ।

पहले उसके हाथों को चूमते हुए हटाया मैंने ।

उसने अपनी आँखें शरम से झुका ली थी ।

उसने अपनी झाँटें साफ़ नहीं की थी ।

पहले मुझे उसकी घुंघराली काली झाँटें दिखाई दी ।

फिर मैंने अपनी उंगली से उसकी चूत को पहली बार स्पर्श किया ।

काली काली झाँटो के बीच में उसकी गुलाबी चूत दिखाई दी ।

मुझसे रुका न गया और मैंने उसकी गुलाबी चूत को चूम लिया ।

वो बोल रही थी- जान, क्या कर रहे हो ? रहने दो प्लीज़...

किन्तु अन्दर से वो भी चाहती थी कि मैं सब कुछ करूँ।

चूत को पहली बार चूम करके बहुत अजीब सा स्वाद लगा थोड़ा बकबका सा किन्तु बहुत ज्यादा रोमांचित महसूस हो रहा था।

और करने को दिल कर रहा था।

तो मैंने फिर से उसकी प्यारी गुलाबी चूत को चूसना शुरू किया।

फिर अपनी एक उंगली उसकी चूत में डाल कर अन्दर करने लगा, कुछ पल बाद दो उंगलियों से किया।

अब बर्दाश्त नहीं हो रहा था उससे भी और मुझे भी।

तो फटाफट मैंने अपने सारे कपड़े उतार दिए।

उसकी निगाहें पहले मेरे तने हुए फनफनाते काले लंड पर गईं।

मेरा लंड का अकार 7" है।

फिर मैंने उसके एक हाथ में अपना लौड़ा पकड़ाया और उसे सहलाने को कहा तो वो प्यार से उसे सहलाने लगी।

उसकी आँखों में भी सेक्स का खुमार चढ़ चुका था।

फिर मैंने उसे मेरा लंड चूसने को कहा तो थोड़ी न नुकर के बाद वो मान गई।

जैसा कि मेरा लंड थोड़ा लम्बा है तो वो ऊपर ऊपर से ही चूस रही थी।

पहली बार लंड चुसवाकर जो अनुभूति हो रही थी वो शब्दों से बयाँ कर पाना मुश्किल है

दोस्तों ।

जल्दी ही उसे उकलाहट होने लगी तो मैंने अपना लंड बाहर निकाल लिया ।

अब हम दोनों चुदाई करने के लिए पूरी तरह से तैयार थे ।

मैंने उसे प्यार से बिस्तर पर लिटा दिया ।

वो बिल्कुल नंगी मेरे सामने लेटी थी ।

उसे देखकर लंड फनफना रहा था ।

नेहा बोली- जान, ये तो बहुत बड़ा है... कैसे जायेगा अन्दर ?

तो मैंने कहा- शोना, तुम बिल्कुल चिंता न करो, बस हल्का सा दर्द बर्दाश्त करना... हम दोनों को बहुत ज्यादा मजा आएगा ।

तो उसने हामी भर दी ।

फिर मैंने उसके दोनों पैर ऊपर कर दिए और पहले उसके होंठों को चूमा ।

दोस्तो, मुझे भी चुदाई का कोई अनुभव तो नहीं था किन्तु काफी ब्लू फिल्में देख रखी थी तो मैं उसके ऊपर झुककर लेट गया और उसकी चूत पर लंड टिका दिया किन्तु लंड दो बार स्लिप हो गया ।

फिर नेहा ने अपने हाथ से मेरे लंड को अपनी चूत पर सेट किया और नज़रें झुका ली ।

मैंने उसके होंठों को चूमना शुरू किया और एक धक्का लगाया तो लंड का अग्र भाग उसकी चूत में प्रवेश कर गया ।

दर्द से उसकी बेचैनी बढ़ गई किन्तु उसके होंठ मेरे होंठों में थे तो उसकी चीख दबकर रह गई।

मेरा भी पहली बार था तो मैंने सोचा कि पहले पूरा लंड डाल दूँ अन्दर... तब शायद नेहा आराम से चुदाई करवा पाएगी।

इसलिए मैंने तुरंत 5-7 धक्के और लगाकर लगभग पूरा लंड उसकी बुर में उतार दिया।

जैसे ही मैंने उसके होंठ छोड़े, उसकी चीख निकली और वो बोली- जान, प्लीज़ मत करो... बाहर निकालो इसे... बहुत दर्द हो रहा है।

दो मिनट मैंने धक्के लगाना बंद कर दिया और पहले उसे चुम्बन करना शुरू किया, फिर उसके दूध कलशों को सहलाया और चूसा तो वो आगे चुदाई को तैयार हो गई।

फिर मैंने उसे दोबारा धक्के लगाने शुरू किये तो वो दर्द को बर्दाश्त कर मेरा साथ देने लगी।

फिर करीब 10-12 धक्कों के बाद मेरे लंड ने अपना माल उगल दिया।

पहली बार की जल्दबाजी में मेरा कुछ पहले ही वीर्य निकल गया तो 5 मिनट हम ऐसे ही लेटे रहे।

5 मिनट बाद लंड फिर से अकड़ने लगा तो मैं नीचे लेट गया और उसे लंड चूसने को बोला।

जैसे ही उसने लंड चूसा तो लंड फिर से फुफ़कार मारने लगा।

अब वो मेरे ऊपर बैठ गई थी और मैंने लंड उसकी चूत के छेद पर टिका दिया।

फिर उसकी कमर को दोनों हाथों से पकड़ लिया और अपने लंड पर नीचे की ओर उसे दबाने लगा।

जैसे जैसे लंड उसकी चूत में जा रहा था, उसकी मादक आवाजें निकलने लगी थी- ऊऊम्म अम्म आआह्हह... हहह... आहाहहाहः

तब मैंने उसकी चिकनी गोरी गांड को दबाया और उसे अपने लंड पर ऊपर नीचे होने में मदद करने लगा, वो मुझे किस करने लगी।

नीचे से मैं जोर जोर से धक्के लगाने लगा।

बहुत अदभुत रोमांच हो रहा था।

फिर उसके दूध कलशों को चूसा।

करीब दस मिनट बाद वो थक गई और मेरे ऊपर ही लेट गई।

फिर मैंने उसे नीचे लिटाया और दोबारा पहले वाले तरीके से ही उसे चोदने लगा।

करीब 7-8 मिनट तक ऐसे ही चोदने के बाद मेरा लंड स्वलित होने को लगा तो मैंने जोर जोर से आखिरी शॉट लगाये और उसकी चूत में ही अपना सारा माल निकाल दिया।

10 मिनट हम वैसे ही एक दूसरे के साथ चिपक कर लेटे रहे।

तभी उसका फोन बजा और पता चला कि उसे घर जाना पड़ेगा, कुछ काम है।

वो उठकर कपड़े पहनने लगी।

जब वो चलने लगी तो कुछ लंगड़ा रही थी।

फिर मैंने उसे थोड़ी देर साथ बैठाया और उसे जूस पिलाया और फिर कुछ देर बाद वो घर के लिए रवाना हो गई।

तो दोस्तो, यह थी मेरे पहले प्यार की कहानी जिसमें एक अजीब सा नशा एक जूनून था हम दोनों को।

हमारी रिलेशनशिप 2 साल रही, हम शादी भी करना चाहते थे।

किन्तु जाति अलग अलग होने की वजह से न हो सकी।

कुछ समय बाद उसकी शादी हो गई। उसकी शादी से कुछ महीने पहले ही हम दोनों ने कभी न मिलने का वादा किया क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि मेरे प्यार की वजह से उसकी आने वाली जिंदगी में कभी कोई परेशानी हो।

ashiq.rahul@yahoo.com

